प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

1. जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति,
जनपद कुशीनगर।

2. मुख्य चिकित्साधिकारी,
जनपद कुशीनगर।

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2018–19/7966–2 दिनांकः 26.10.2018

विषयः– राज्य स्तरीय दल द्वारा 24–26 सितम्बर, 2018 तक जनपद में किये गये पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया एस0पी0एम0यू0 कार्यालय के पत्र सं0 एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2018–19/2722, दिनांक 15.06.18 तथा एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2018–19/4134, दिनांक 20.07.18 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। पत्र के माध्यम से राज्य स्तरीय दल द्वारा क्रमशः दिनांक 17–19 मई, 2018 एवं 20–22 जून 18 तक जनपद कुशीनगर की चिकित्सा इकाईयों में किये गये सहयोगात्मक पवर्यवेक्षण के उपरांत, विस्तृत रिपोर्ट कार्यवाही हेतु उपलब्ध कराई गई थी।

दिनांक 24–26 सितम्बर 2018 राज्य स्तरीय टीम द्वारा पुनः किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण में ज्ञात हुआ कि चिकित्सा इकाईयों में अनुशंसा के सापेक्ष सुधार नहीं हुआ है, जो कि चिन्ता का विषय है। माह उक्त पत्रो के माध्यम से प्रेषित की गई सहयोगात्मक पर्यवेक्षण रिपोर्ट के सापेक्ष आख्या भी प्राप्त नहीं हुई है।

माह सितम्बर, 2018 में राज्य स्तरीय दल द्वारा किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की विस्तृत रिपोर्ट पत्र के साथ संलग्न कर प्रेषित की जा रही है। आपसे अनुरोध है कि रिपोर्ट में दिये गये सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए आख्या अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्नकः पर्यवेक्षण आख्या।

भवदीय

(डा0 नीरज शुक्ला)
अपर मिशन निदेशक

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/2018–19/ तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित–

1. मण्डलायुक्त, गोरखपुर मण्डल, गोरखपुर, उ0प्र0।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चि0स्वा0 एवं प0क0, गोरखपुर मण्डल।
3. अधिशासी अभियन्ता, समस्त महाप्रबन्धक/अनुभागाध्यक्ष, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उ0प्र0।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, गोरखपुर मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, कुशीनगर को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(डा0 वेद प्रकाश)
महाप्रबन्धक नियमित टीकाकण
/मण्डलीय नोडल अधिकारी

जनपद स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण

जनपद : कुशीनगर दिनांक :24–26 सितम्बर 2018

अपर मुख्य चिकित्साधिकारी से भेंट कर गई तथा जनपद भ्रमण के उद्देश्यों से अवगत कराया गया।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कानूटोला

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कानूटोला, कुशीनगर में भ्रमण किया गया –

- सर्वप्रथम नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर समस्त शहरी आशा एवं ए0एन0एम0, आई0ओ0 एवं शहरी स्वास्थ्य समन्वयक के साथ बैठक की गई। बैठक में, आशा डायरी एवं आशाओं को मिलने वाली प्रतिपूर्ति राशि के विषय में विस्तार से बताया गया।
- आशाओ की आशा डायरी के अवलोकन उपरांत यह पाया गया कि डायरी विधिवत अंकित नहीं की जा रही है। उक्त के सम्बन्ध में आशाओं को डायरी का विधिवत अंकन कैसे किया जाये यह बताया गया।
- शहरी स्वास्थ्य समन्वयक को निर्देशित किया गया कि वह समस्त आशाओं की आशा डायरी एक सप्ताह के अंदर विधिवत पूर्ण कराए।
- आशाओं को आशा डायरी के अतिरिक्त किसी अन्य रजिस्टर पर आशा डायरी से सम्बन्धित सूचनाओं को अंकित नहीं करने की सलाह दी गई। चिकित्सालय में प्रतिदिन 2 से 3 प्रसव हो रहे हैं, परन्तु प्रसव रजिस्टर में एम0सी0टी0एस0 संख्या दर्ज नहीं पाई गई। लेकिन लाभार्थियों का भुगतान किया जा रहा था।
- शहरी स्वास्थ्य समन्वयक को निर्देशित किया गया कि वह आशा के क्षेत्र में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार के सुपरवाईजर के साथ आशा एवं उसके क्षेत्र की आंगनबाडियों के साथ एक बैठक का आयोजन करे जिसमें सुपरवाईजर के माध्यम से यह संदेश दिया जाये कि आंगनबाडी को आशा के साथ समन्वय स्थापित कर क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण एवं पोषण से सम्बन्धित सेवाओं को ससमय उपलब्ध कराया जाना सुनिष्चित किया जा सके। उक्त के साथ ही आशा एवं आंगनबाडी आपस में समन्वय कर लक्षित लाभार्थियों पर केन्द्रित ड्यू लिस्ट तैयार कर, क्षेत्र की ए0एन0एम0 के साथ साझा करें।
- बैठक में उपस्थित आई0ओ0 द्वारा अवगत कराया गया कि नगर की झुग्गी झोपडीयों में लक्षित लाभार्थियों के टीकाकरण हेतु माइक्रो प्लान तैयार किया गया है। उक्त माइक्रो प्लान के अनुसार 04 ए0एन0एम0 के माध्यम से नगरीय क्षेत्र में टीकाकरण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।।
- आई0ओ0 एवं आशाओं द्वारा अवगत कराया गया कि नगरीय क्षेत्र कें अधिकांश बड़े घरों में लाभार्थियों के सम्बन्ध में सूचना नहीं मिल पाती है,उसका मुख्य कारण यह है कि आशाओं को ऐसे घरों में सूचनाएं उपलब्ध नहीं कराई जाती है। उक्त के सम्बन्ध मे उनको सलाह दी गई कि क्षेत्र के प्रभावशली व्यक्तियों/सभासद से समन्वय स्थापित कर ऐसे घरो में पहुंच बनाने का प्रयास किया जाये।
- कम वजन वाले नवजात बच्चों का रिकार्ड नहीं पाया गया। भ्रमण दल द्वारा कम बजन के नवजात बच्चों का रिकार्ड रखने हेतु निर्देशित किया गया।
- एच0आर0पी0 का कोई रिकार्ड नहीं पाया गया। भ्रमण दल द्वारा एच0आर0पी0 रजिस्टर अद्युनांत रखने हेतु निर्देशित किया गया।
- उपस्थित स्टार्फ नर्स को प्रसव रजिस्टर के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। शहरी स्वास्थ्य समन्वयक, कुशीनगर को स्टाफ नर्स का अभिमुखीकरण कराने हेतु सुझाव दिया गया।
- परिवार नियोजन सेवाए –ए0एन0एम0 द्वारा कण्डोम, गर्भनिरोधक गोली का वितरण तो किया जा रहा है, लेकिन उसका कोई रिकार्ड उपलब्ध नहीं मिला।
- केन्द्र पर पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगाने की सुविधा उपलब्ध नही है। पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगवाने के इच्छुक महिलाओं को जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया जाता है। लेकिन केन्द्र पर रिफरल रिकार्ड उपलब्ध नहीं है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कुबेरस्थान

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्साधिकारी, डा0 एस0पी0 गुप्ता, बी0सी0पी0एम0, बी0पी0एम0, फार्मासिस्ट आदि उपस्थित थे। जिनके साथ चिकित्सालय का भ्रमण किया गया।

- प्रसव कक्ष –
  1. प्रसव कक्ष में रोशनी की उचित व्यवस्था नही थी।
  2. सेवेन ट्रे नही पाई गई।

3. प्रसव टेबल साफ अवस्था में नहीं थी। प्रसव टेबल पर जंग लगी थी। उक्त के सम्बन्ध में उपस्थित चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया कि वह समस्त प्रसव टेबल पर पेन्ट करा लें। जिससे कि किसी गर्भवती माता एवं शिशु को टिटेनस से बचाया जा सके।
4. टेबल पर कैलिस पैड का प्रयोग नहीं किया जा रहा था। जबकि प्रसव कक्ष में नये कैलिस पैड रखे हुए थे। पूँछने पर स्टॉफ नर्स श्रीमती शीला द्वारा बताया गया कि प्रसव कक्ष में कैलिस पैड का प्रयोग नहीं किया जाता है।
5. प्रसव कक्ष से लगे वार्ड में गद्दे और चादर गन्दे बिछे हुए थे।
6. वार्ड में रोशनी हेतु कोई बल्व इत्यादि नहीं लगा हुआ था। उक्त के सम्बन्ध में उपस्थित चिकित्साधिकारी को उचित रोश्नी वाला एल0ई0डी0 बल्व लगवाने का सुझाव दिया गया।
7. प्रसव कक्ष के क्षेत्र मे स्थान–स्थान पर गंदगी पायी गयी, जिसे साफ करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।
8. प्रसव रजिस्टर नहीं था। प्रसव समबन्धी सूचनायें एक अन्य रजिस्टर पर अंकित की जा रही हैं। पूँछने पर अवगत कराया गया कि पिछले वर्ष से ही यहाँ प्रसव रजिस्टर नहीं है। जिसके सम्बन्ध में जनपद स्तर पर अवगत कराया जा चुका है।
9. उपरोक्त के साथ ही रेफरल रजिस्टर, एच0आर0पी0 रजिस्टर रहीं पाया गया।
10. पी0पी0आई0यू0सी0डी0 रजिस्टर था परन्तु उसे पर सूचनाओं का विधिवत् अंकन नहीं किया गया था।
11. पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लाभार्थी को फालोअप हेतु रू0 150/– की प्रतिपूर्ति धनराशि प्रदान की जाती है। उक्त के सम्बन्ध में सम्बन्धित कर्मचारियों को नही जानकारी नहीं है और न ही लाभार्थियों को फालोअप हेतु कोई धनराशि प्रदान की जा रही है। उक्त प्रतिपूर्ति राशि के सम्बन्ध में राज्य स्तरीय अधिकारियों द्वारा स्टॉफ नर्स को अभिमुखीकृत किया गया।

सामान्य वार्ड

वार्ड में एक महिला मरीज भर्ती थी,उसके रिष्तेदार मौजुद थे। वार्ड में सफाइ की उचित वयवस्था नहीं थी। उपयोगित किये गये इजेक्श्न व सीरिंज, सुई वार्ड में ही इधर उधर पडे हुए थे। जिस बेड पर मरीज लेटा हुआ था, उसी के नीचे सफाई कर्मी के द्वारा सफाई के बाद झाडू रखी हुई थी। वार्ड में गद्दे और चादर गन्दे बिछे हुए थे। वार्ड में रोशनी हेतु कोई बल्व इत्यादि नहीं लगा हुआ था। जैसा बताया गया, वार्ड में लगा पंखा खराब था।

रोगियो हेतु बने शौचालय की स्थिति अत्यंत दयनीय पाई गई। रौश्नी की व्यवस्था नहीं थी तथा बाथरूम में गंदा पानी फैला हुआ था। बाथरूम में लगे यूरीनल में पाईप नहीं लगे हुए थे। शैचालय में लगे फ्लैश में गंदी बोतले और अन्य सामान भरा हुआ था, जिससे प्रतीत होता था कि शैचालय प्रयोगित नहीं हो रहा था। उक्त के सम्बन्ध में सम्बन्धित को निर्देश्ति किया गया कि वह शैचालय की साफ सफाइ पर विशेष ध्यान दे। उपस्थित चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया कि शैचालय की नियमित सफाई के साथ साथ सप्ताह में एक बार पूरे चिकित्सालय परिसर की सघन सफाई कराया जाना सुनिष्चित करें।

जननी सुरक्षा योजना :– जननी सुरक्षा के अंतर्गत लाभार्थियों एवं आश को भुगतान किया जा रहा है,परनतु लाभार्थियों का एम0सी0टी0एस0 सं0 राज्य स्तरीय दल को उपलब्ध नहीं कराया गया।

कम्यूनिटी प्रोसेस गतिविधियां :– चिकित्सा परिसर में उपस्थित विभिन्न केन्द्रों की आशओं से वार्ता की गई एवं उनकी आश डायरी का अवलोकन राज्य स्तरीय दल द्वारा किया गया। डायरी का अवलोकन पश्चात यह ज्ञात हुआ कि आशओं की डायरी विधिवत भरी हुई नहीं थी। आश डायरी कैसे विधिवत भरी जाये, इसके बारे में राज्य स्तरीय दल द्वारा उनका अभिमुखीकरण किया गया। इसके साथ ही बी0सी0पी0एम0 को आश डायरी विधिवत भरवाने के लिए निर्देश्ति किया गया। राज्य स्तरीय दल द्वारा बी0सी0पी0एम0 को 100 प्रतिशत आशा भुगताने कराने हेतु निर्देश्ति किया गया।

रोगी कल्याण समिति का कार्यवाही रजिस्टर देखने को नहीं मिला। बी0पी0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि कि रोगी कल्याण समिति का रजिस्टर बी0ए0एम0 के पास रखा है, और बी0ए0एम0 आडिट कराने गये है।

बी0सी0पी0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि माह सितम्बर, 2018 का आश भुगतान बी0सी0पी0एम0 एम0आई0एस0 के माध्यम से किया जा रहा बी0सी0पी0एम0 को निर्देश्ति किया गया कि वह आशओं का 100 प्रतिश्त भुगतान कराना सुनिष्चित करे।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम :– चिकित्सा केन्द्र में किशेर स्वास्थ्य परामर्शदाता की नियुक्ति नहीं है, जिसके कारण किशेर स्वास्थ्य कार्यक्रम का संचालन विधिवत नहीं किया जा रहा है। परन्तु आशओं से

वार्ता उपरांत यह पता चला कि आशओं द्वारा अपने क्षेत्र में किशेर किशरियों को स्वास्थ्य एवं पोषण तथा व्यक्तिगत स्वच्छता सम्बन्धी परामर्श दिया जा रहा है।

क्वालिटी एश्योरेंस :– इसके अंतर्गत चिकित्सालय परिसर में डस्टबिन उपलब्ध थी। हांलाकि कुडे कचरे का प्रबंधन नियमानुसार नहीं किया जा रहा है। उपस्थित चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि चिकित्सालय में बायो वेस्ट मैनेजमेंट हेतु कोई भी एजेंसी कार्यरत नहीं है, इस कारण प्रसव कक्ष से निकलने वाले प्लेसेंटा को चिकित्सालय परिसर में ही गढढा खोदकर प्रबधन किया जा रहा है। प्रसव कक्ष में उपस्थित स्टाफ नर्स व दाई को बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट बारे में कोई जानकारी नही थी। चिकित्सालय परिसर में झाडिया वगैरह उगी हुई थी, जिनको हटाने का सुझाव दिया गया। उक्त के सम्बन्ध में चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत करया गया कि यह उनके कार्य क्षेत्र के बाहर है। चिकित्सालय परिसर में औषधीय पौधों का रोपड़ नहीं किया गया है।

परिवर नियोजन कार्यक्रम;–चिकित्सा केन्द्र में परिवार नियोजन परामर्शदाता की नियुक्ति नहीं है, जिसके कारण परिवार नियोजन कार्यक्रम का संचालन विधिवत नहीं किया जा रहा है। परन्तु स्टाफ नर्स एंव आशओं द्वारा गर्भवती/प्रसव हेतु आयी महिलाओं एवं परिवार नियोजन हेतु लक्षित दम्पित्यों को परिवार नियोजन के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की जाती है। चिकित्सालय द्वारा पी0पी0आई0यू0सी0डी0 की सेवाये ही प्रदान की जा रही है। ओ0पी0डी0 परिसर में कंडोम बाक्स लगा था,किन्तु खाली पाया गया।

उपस्थित चिकित्साधिकारी द्वारा यह आष्वासन दिया गया कि वह उक्त सुझावों के सम्बन्ध में प्रभारी चिकितसाधिकारी से वार्ता कर इस ओर उनका ध्यान आकर्षित करेंगे एवं राज्य स्तरीय दल द्वारा चिकितसालय मे पाई गई कमियों/सुझावों के सापेक्ष उचित कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे।

नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कठकुईयाँ, कुबेरस्थान

नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कठकुईयाँ में कार्यरत एकमात्र चिकित्साधिकारी को कुबेरस्थान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सम्बद्व किया गया है। स्वास्थ्य केन्द्र पर फार्मासिस्ट एवं लैब असिस्टेंट उपस्थित थे। फार्मासिस्ट को औषधियों एवं उनके एक्सपायर होने पर की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी थी। लैब असिस्टेंट को वेस्ट मैनेजमेंट के बारे में जानकारी नहीं थी। राज्य स्तरीय दल द्वारा लैब असिस्टेंट को मेडिकल वेस्ट एंव उसके निस्तारण के सम्बन्ध में बताया गया।

प्रसव कक्ष–

चिकित्सा इकाई के प्रसव कक्ष में साफ–सफाई थी। इकाई में ए0एन0एम0 द्वारा प्रसव कराया जा रहा है। ए0एन0एम0 को प्रसव सम्बन्धी एवं प्रसव के दौरान होने वाली समस्याओं और उनके समाधान के बारे में जानकारी थी। प्रसव कराने वाली ए0एन0एम0 संविदा पर कार्यरत है एवं एस0बी0ए0 प्रशिक्षित नहीं है।

प्रसव कक्ष के पास शैचालय में साफ–सफाई थी, परन्तु दरवाजा नहीं था। फार्मासिस्ट को सुझाव दिया गया कि पी0एच0सी0 को मिलने वाले अन्टाईड धनराशि से दरवाजा लगवाया जा सकता है। बिना एम0सी0टी0एस0 सं0 के जननी सुरक्षा के अंतर्गत लाभार्थियों एवं आशा को भुगतान किया जा रहा है। जिसका विवरण भी उपलब्ध नही कराया गया।

प्रसव कक्ष में प्रसव टेबल पर कैलिस पैड नही था। पूँछने पर बताया गया कि कई बार कहने के उपरान्त भी कैलिस पैड उपलब्ध नहीं कराया गया। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रसव हेतु भर्ती महिलाओं को खाना नहीं दिया जा रहा था।

नवजात बच्चों के वजन मशीन खराब थी। उक्त मशीन को बदलने हेतु निर्देश्ति किया गया।

प्रसव कक्ष की खिडकियों में मच्छर रोधी जाली नहीं लगी हुई थी। मच्छर रोधी जाली लगवाने हेतु सुझाव दिया गया। चिकित्सा इकाई में पंखा आदि लगवाने हेतु सम्बन्धित स्टाफ द्वारा अनुरोध किया गया। उक्त अनुरोध के सापेक्ष प्रभारी चिकित्साधिकारी, कुबेरस्थान को फोन द्वारा अवगत करा दिया गया है।

चिकित्सा इकाई में रनिंग वाटर की सुविधा नहीं है।

चिकित्सा इकाई में बिजली का कनेक्शन नहीं है। बिजली की व्यवस्था कटिया द्वारा की जा रही है।

चिकित्सा इकाई के बाहर घास इत्यादि बड़ी हो गयी है। उक्त के सम्बन्ध में पूँछने पर अवगत कराया गया कि बारिश का पानी चिकित्सा इकाई में भर गया थां। अब पानी सूख गया है तो अब यहाँ साफ–सफाई करायी जायेगी। वृझा रोपड़ भी कराने हेतु सुझाव दिया गया। इकाई में कार्यरत कर्मचारियों को बायो मेडिकल वेस्ट एवं क्वालिटी एष्योरेंस के बारे में बताया गया।

जनपद की चिकित्सा इकाईयों के भ्रमण के पश्चात उपस्थित चिकित्साधिकारी को भ्रमण बिन्दुओं से अवगत करा दिया गया है। सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा भ्रमण दल द्वारा दिये फीडबैक के अनुसार कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया।

सामुदायिक स्वा0 केन्द्र, कप्तानगंज

स्वास्थ्य केन्द्र पर भ्रमण के दौरान, प्रभारी चिकित्साधिकारी डा0 श्याम कुमार गुप्ता , बी0पी0एम0, श्री अमित, तथा बी0ए0एम0 श्री संदीप गौड़ उपस्थित थे। बी0सी0पी0एम0 सुश्री वीनीता मौर्या क्षेत्र भ्रमण पर गयी हुई थी। उक्त अधिकारियो के साथ चिकित्सालय का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान चिकित्सालय में विभिन्न विभागों की स्थिति निम्नवत पाई गई –

प्रसव कक्ष.–

- प्रसव कक्ष के बाहर पूर्व की भांति अंधेरा पाया गया, यथोचित प्रकाश की व्यवस्था नहीं थी।
- सेवेन ट्रे नही पाई गई। प्रसव टेबल साफ अवस्था में पाई नहीं गई। प्रसव कक्ष में महिलाओं के प्रसव हैतु प्रयोग किये जाने वाले कैलीस्पैड का प्रयोग नहीं किया जा रहा था।
- प्रसव कक्ष में ही के0एम0सी0 स्थापित किया गया था। प्रसव कक्ष के साथ लगे शौचालय में पूर्व भ्रमण के सापेक्ष अधिक साफ सफाई पाई गई।
- प्रसव रजिस्टर में सूचनाओं का आधा–अधूरा अंकन किया गया था। एम0सी0टी0एस0 सं0 अंकित नहीं की जा रही थी, परन्तु जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों का भुगतान किया जा रहा है।
- जैसा कि पूर्व भ्रमण में पाया गया था कि नवजातों को बी0सी0जी टीका नियमित तौर पर नहीं लगाया जा रहा था।, इस बारे में पूछने पर संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ।
- प्रसव कक्ष के बाहर आवारा पशु लेटे तथा बैठे हुए थे। इस सम्बन्ध में सम्बन्धित द्वारा अवगत कराया गया कि वह समय समय पर आवारा पशुओं को भगाती रहती है, पर वह पुनः आ जाते है। आवारा पशुओं को चिकित्सालय परिसर में आने से रोकने का कोई समुचित प्रबन्ध नहीं है। इस सम्बन्ध में, प्रभारी चिकित्साधिकारी को अवगत करा दिया गया है।
- महिला वार्ड में कोई भी महिला लाभार्थी भर्ती नहीं थी। पूँछने पर स्टाफ नर्स द्वारा बताया गया कि प्रसव पश्चात महिलायें ज्यादा देर नहीं रूकती हैं। और अपने घर चली जाती हैं।
- महिला वार्ड में गंदगी थी। चादरें आदि अत्यधिक गन्दी थीं। बेड पर बिछायी गयी चादरों में खून के दाग पडे हुए थे।
- पूर्व भ्रमण के दौरान प्रसव कक्ष में दो प्रसव टेबल के मध्य पर्दे की व्यवस्था करने हेतु सम्बन्धित को सुझाव दिया गया था, किन्तु इस बार भी स्थिति यथावत रही। दो प्रसव टेबल के मध्य पर्दे की व्यवस्था नहीं पाई गई। इस सम्बन्ध में पुनः प्रभारी चिकित्साधिकारी को अवगत करा दिया गया है एवं तत्काल पर्दे की व्यवस्था करने एवं बेड हेतु साफ चादरों की व्यवस्था करने हेतु सुझाव दिय गया।
- मरीजो को स्टाफ नर्स द्वारा इजेक्श्न लगाने के बाद उपयोगित सीरिंज सुई सहित इधर उधर फैकी जा रही थी। इजेक्श्न के खाली एम्पुल इधर उधर बिखरे पड़े थे। उक्त के सम्बन्ध मे स्टाफ नर्स को इससे होने वाने दुष्प्रभावों के बारे मे अवगत कराया गया।स्टाफ नर्स को यह भी सुझाव दिया गया कि वह सीरिंजो को इधर उधर न फेंके,अपितु सीरिंजो को हबकटर से काट करके नियमानुसार निस्तारित करे।
- **कोल्ड चेन**–चिकित्सालय में तीन डीप फ्रीजर थे परन्तु काम नहीं कर रहे थे। सम्बन्धित कर्मचारियों से इस सम्बन्ध में पूँछने पर कोई संतोश्जनक उत्तर नहीं दिया गया। एक डीप फ्रीजर की तली में जंग लगा हुआ था।
- **टीकाकरण** –बुधवार को होने वाला टीकाकरण चिकित्सालय परिसर में आयोजित किया जा रहा था। टीकाकरण स्थल पर ए0एन0एम0 सुश्री सीमा गौड तथा निर्मला सिंह उपस्थित थी।
- पूर्व की भांति इस बार भी बच्चों को थर्ड स्टेज के टीके दिये जा रहे थे। पूछने पर ज्ञात हुआ कि यह टीक उनको कोल्ड चेन से ही उपलब्ध कराए गए है। इस बार राज्य स्तरीय दल द्वारा प्रभारी चिकित्साधिकारी को अवगत कराया गया एवं सुझाव दिया गया कि वह सम्बन्धित कर्मचारी को थर्ड स्टेज के टीके ए0एन0एम0 को न दें।
- कोल्ड चेन प्रभारी से वार्ता के दौरान यह ज्ञात हुआ कि ऐसे टीके उनको जनपद मुख्यालय से ही इश्यू किये गये है। प्रभारी चिकित्साधिकारी द्वारा तुरन्त कार्यवाही कर इसे सुधारने का आश्वासन दिया गया।
- **मिशन परिवार विकास कार्यक्रम** से सम्बन्धित गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। प्रोत्साहन राशि का भुगतान आश को नियमानुसार किया जा रहा था।

- इकाई पर स्वास्थ्य सेवाओं हेतु जन जागरूकता हेतु व्यापक प्रचार प्रसार के लिए पोस्टर आदि लगाये गये हैं।
- **रोगी कल्याण समिति** के अन्तर्गत राज्य द्वारा आवंटित धनराशि एवं उसके व्यय किये जाने के सम्बन्ध में प्रभारी चिकित्साधिकारी को अभिमुखीकृत किया गया। राज्य स्तरीय दल द्वारा प्रभारी चिकित्साधिकारी को रोगी कल्याण समिति रजिस्टर पर बैठकों के कार्यवृत्त का अंकन एवं प्राप्त धनराशि का नियमानुसार व्यय किये जाने एवं रजिस्टर पर विधिवत् अंकन के सम्बन्ध में बताया गया।
- चिकित्सालय परिसर में कलर कोडेड डस्ट बिन नही पाई गई। Bio Medical waste management के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। राज्य स्तरीय दल द्वारा प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया कि वह कलर कोडड डस्ट बिन का क्रय कर लें तथा जिला क्वालिटी कन्सलटेंट से सम्पर्क कर चिकित्सा इकाई पर Bio Medical waste management के सम्बन्ध में कार्यशाला का आयोजन कर समस्त कर्मचारियों को अभिमुखीकृत करें।
- **परिवार नियोजन**– परिवार कल्याण परामर्शदाता सुश्री किरण कुशवाहा, चिकित्सा इकाई पर मौजूद नही थी। ज्ञात हुआ कि वह प्रत्येक बुधवार को नये गर्भ निरोधक अंतरा के उपयोग हेतु परामर्श देने के लिए जिला अस्पताल जाती है।
- **कम्यूनिटी प्रोसेस गतिविधियाँ– विगत माह में भ्रमण के दौरान** आशा संगिनी, वी.एच.एस.एन.सी., क्लस्ट बैठक, आशा भुगतान तथा शिकायत निवारण के रजिस्टर बने ही नहीं थे। राज्य स्तरीय दल द्वारा बी0सी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया था कि उक्त रजिस्टरों को तुरन्त बनाकर सम्बन्धित सूचनाएं रजिस्टर पर अंकित की जाये। वर्तमान भ्रमण के दौरान बी0सी0पी0एम0 द्वारा क्षेत्र भ्रमण के कारण उक्त के सम्बन्ध में सूचना नहीं मिल पायी। बी0पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि वह गित माह बताये गये कार्यों को, बी0सी0पी0एम0 से इस माह में अवश्य पूर्ण करा ले।
- प्रभारी चिकित्साधिकारी को आशाओं की प्रतिपूर्ति राशि का शत–प्रतिशत् भुगतान सुनिश्चित करने हेतु समबन्धित को निर्देशित करने हेतु सुझाव दिया गया।
- ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस, ग्राम इन्दरपुर एवं सुम्भाखोर, कप्तानगंज में आशाओं की आशा डायरी के अवलोकन के पश्चात यह ज्ञात हुआ कि आशा डायरी में पेंसिल से अंकन किया गया थां। डायरी में सूचनाओं का अंकन निर्दिष्ट निर्देशों के अनुसार नहीं किया गया था। उक्त के सम्बन्ध में आशओं एंव आशा संगिनी को आशा डायरी में सही प्रकार से अंकन कैसे किया जाये इस सम्बन्ध में अभिमुखीकृत किया गया।
- राज्य स्तरीय दल द्वारा निर्देश्ति किया गया कि वह डायरी में समस्त सूचनाएं पेन से ही भरे पेंसिल का प्रयोग नहीं किया जाना हैं।
- सत्र स्थल पर उपस्थित आश, ड्रेस (आश साडी) में नही थी। अतः उसे निर्देश्ति किया गया कि जब भी वह सत्र स्थल पर अथवा कार्य से जाए जो अपनी ड्रेस (आशा साडी) में ही जाएं, जिससे उसकी पहचान सभी को हो सके।
- आश व आंगनबाडी कार्यकर्ताओ के मध्य आपसी सामंजस्य की कमी पाई गई। इस सम्बन्ध में आश, आँगनबाडी एवं ए0एन0एम0 को निर्देश्ति किया गया कि वह आपस में सामन्जस्य एवं समन्वय कर लाभार्थियों की ड्यू लिस्ट बनाये जिससे ड्यू लिस्ट में एक रूपता बनी रहे तथा लाभार्थियों को सत्र में समय से बुलाया जा सके।

<u>ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस</u> :– **ग्राम इन्दरपुर, कप्तानगंज**

- माइक्रोप्लान के अनुसार, ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस का आयोजन ए0एन0एम0 सब सेन्टर पर किया जा रहा था।
- सत्र स्थल पर ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस का बैनर लगा हुआ नही था। ज्ञात हुआ कि सेन्टर पर बैनर उपलब्ध नहीं कराया गया है। राज्य स्तरीय दल द्वारा बी0पी0एम0 से सम्पर्क कर बैनर का प्रबन्ध करने तथा दिवस आयोजन पर उसके उपयोग हेतु निर्देश्ति किया गया।
- सत्र स्थल पर ड्यू लिस्ट उपलब्ध थी।
- सत्र स्थल पर माइक्रोप्लान उपलब्ध नहीं था। उक्त के सम्बन्ध में ए0एन0एम0 को निर्देश्ति किया गया कि आगामी सत्र से सत्र का माइक्रोप्लान अपने साथ अवश्य रखे।

- सत्र स्थल पर समस्त आवश्यक टीके उपलब्ध थे।
- परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री को वितरित किया जा रहा था।
- सत्र स्थल पर प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात सेवायें उपलब्ध करायी जा रहीं हैं।
- ए0एन0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि सत्र स्थल पर किशेर किशेरियों को सलाह भी प्रदान की जा रही है।
- उपकेन्द्र में दोनो पंखें खराब हो चुके हैं। उक्त के सम्बन्ध में ए0एन0एम0 को सुझाव दिया गया कि उपकेन्द्र अन्टाईड धनराशि से पंखो की खरीद सुनिश्चित करें।

<u>ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस</u> :– **ग्राम सुम्हाखोर, कप्तानगंज**

- सत्र का आयोजन आंगन बाडी सेन्टर पर किया जा रहा था।,
- सेन्टर पर ए0एन0एम0, आशा तथा आंगनबाडी मौजुद थी।
- सत्र स्थल पर ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस का बैनर लगा हुआ नही था, उसके स्थान पर टीकाकरण का बैनर लगा हुआ पाया गया। ज्ञात हुआ कि सेन्टर पर बैनर ही नहीं है। राज्य स्तरीय दल द्वारा बी0पी0एम0 से सम्पर्क कर बैनर का प्रबन्ध करने तथा दिवस आयोजन पर उसके उपयोग हेतु निर्देश्ति किया गया।
- ड्यू लिस्ट विधिवत रूप से भरी हुई नही पाई गई। राज्य स्तर दल द्वारा ए0एन0एम0 को ड्यू लिस्ट विधिवत रूप से भरे जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- सत्र स्थल पर ए0एन0एम0, आश तथा आंगनबाडी उपस्थित थी। राज्य स्तरीय दल द्वारा उनको एक दूसरे के कार्य तथा आपसी समन्वय के महत्व के बारे में अभिमुखीकृत किया गया जिससे कि सामुदाय को सेवाओं का समुचित लाभ मिल सके।
- सत्र स्थल पर समस्त आवश्यक टीके उपलब्ध थे।
- परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री यथा कंडोम लाभाथीयों को मांगनुरूप दिया जा रहा था।
- सत्र स्थल पर प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात सेवायें उपलब्ध करायी जा रहीं हैं।